Item Code: 947 Participant Code: 504

संस्कृतिक विकासाय संस्कृतम

संस्कृतम केवल एक भाषा न; सर्वत्र, भारतिय विकार हैं। संस्कृत पद का अर्थ शुद्धिकृत अथवा अशुधि मुक्त हैं। भारतीय वेदान्त महाशास्त्रम, रामायनम संस्कृत में लिखी। 2000 बि·सि व भारतिय मुनिमहर्षियाँ संस्कृत भाषा उपयोग करोति। "विद्याधनम सर्वत्र प्रधानम" - संस्कृत विज्ञान का भाषा हैं।

"नास्ति विद्या संम चक्षु
नास्ति स्नया संम तपः

नास्ति रागा सम दुःख

नास्ति त्यागा समं सुखः ॥"

"विद्या विनयं ददाति" - संस्कृत भाषा पर स्वयाः;

अहिंसा प्रभावित कुर्वन्ति।

संस्कृत भाषा का प्राधानम

भारतीय भाषाएँ हिंदी, मलयाल, कन्नडा आदि संस्कृत में अंशव कुर्वन्ति। किन्तु, आजकल समाज में संस्कृत भाषा अन्नय होते हैं। तत् दुःखथर विषय। किन्तु, अस्माकम सरकार संस्कृतम के सांस्कृतिक विकसाय

केलय परिश्रम कुर्वन्ति ।

1. मुनिमहर्षि उपयोग

मुनिमहर्षियाँ संस्कृत उपयोग कुर्वन्ति। वयम् जिवस्य संस्कृत भाषा प्राधानम् अर्हन्ति। सेर-मधुर भाषा है संस्कृतम् ।

2. सर्वत्र भाषा अस्थानम्।

सर्वत्र भाषा संस्कृत मे अभ्यस कुर्वन्ति। "संस्कृतं: सर्व भाषा कि माताः।" अपयव संस्कृत भाषा के विकास करने वयम् एक मन में प्रयत्नं कुर्वन्ति ।

- संस्कृतं भाषा विकासाय केलय, को विधात में,

1. अंग्रेज़ी का अतिप्रभाव

आजकल समाज अंग्रेज़ी का प्रभाव वर्धयति:। सर्वत्र विद्यालयम अंग्रेसी पठति, किन्तु एक कुछ विद्यालयम संस्कृत पठति:। यह एक बहुत प्रश्न है।

2. विभिन्न मतं को विभिन्न अभिप्राय

भारत देशं विभिन्न जातियों तथा मतं से सम्पन्नम है। किन्तु मुसलमान उर्दु पठति:, हिन्दु ने संस्कृत न पठति:। यह एक बहुत तथा दुःखपूर्ण प्रश्न है। संस्कृतं पठने सर्वत्र अवकाशः है।

भारतीय संस्कृतं भाषा संस्कृति विकास केलिए,

1. विद्यालय में संस्कृत भाषा पठति:

विद्यालय में संस्कृत भाषा पठति पर सर्वत्र विद्यार्थियाँ संस्कृत भाषा के अर्थ ग्रहण कुर्वन्ति तथा भारतीय संस्कार:/संस्कृतिक बोधयन्तिव्य ।

2. सरकार कानून: नियम: स्थापितव्य ।

"यत्र भावो; तत्र भवति"। अतएव सरकार बहुति सपनं दृश्यन्ति । सरकार, संस्कृत भाषा का उन्नमन केलिए परिश्रम कुर्वन्ति । संस्कृत भाषा विकासाय ये सहायन्ति ।

3. प्रभाषण, अनुबोधन, पोस्टर, सेमिनार

संस्कृत भाषा के उन्नमन पर प्रभाषणम, उत्बोधन पेसंगा आदि कुर्वन्ति। यह आजकल समाज के संस्कृत उन्नमन को बिहनि सहाय क्वाति। सेमिनार और चर्चा में इस विषय पर सधाडिम के परिश्रम भारत में संस्कृतिक संस्कृतम विकासाय कुर्वन्ति।

4. सर्वत्र लोग इस विषय पर परिश्रम कुर्वन्ति

"परिश्रम फलदायकम"। वयम सर्वश संस्कृत भाषा का उन्नति और विकास केलिय प्रयत्न करोति।

63-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം 2025 ജനുവരി 4 മുതൽ 8 വരെ തിരുവനന്തപുരം

04 01 25

Item Code: 947 Participant Code: 504

"अलसस्य कुतो विद्या, अविद्यस्य कुतो धनम्, अधनस्य कुतो मित्रम्, अमित्रस्य कुतो सुखम्"। अतएव अलसस्य से उपेक्षा करते, विद्या को स्विकार करते। एव कालघटमें संस्कृत भाषा का ~~प्राध~~ प्राधान बोद्धयन्तिव्य। आजकल समाज में यह अनिवार्य और उचित है।

— संस्कृत केवल भाषा न, सकेश विभिन्न भाषा का मता:। विश्वप्रसिद्ध भाषा तथा पूर्ण-पूर्ण परिपावन भाषा। अतएव संस्कृतमं संस्कृतिक विकासाय

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

Item Code: 947 Participant Code: 504

नयम कर्त्तव्य है। संस्कृत भाषा के महत्व

बोधयन्तिव्य। "यत्र भवों, तत्र भवति" यह वचनं

बोधयनि तथा संस्कृत भाषा के विकासाय

नयम समाज परिश्रम कुर्वन्ति।

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)